ACC-1

बी.डी.पी.

व्यवहार मूलक पाठ्यक्रम
बाल देखभाल सेवाओं का संगठन (ए.सी.सी.-1)

सत्रीय कार्य 1
जुलाई सत्र, 2022
एवं
जनवरी सत्र, 2023

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

सतत् षिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य–1
जुलाई 2022 और जनवरी 2023
कार्यक्रम कोड : ए.सी.सी.–1

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको कुल एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है। इस सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क' और भाग 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य के भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास है। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको अब तक मिल गयी होगी। इस नियमावली में छपे अभ्यासों में से आपको दो अभ्यास करने है। इस नियमावली में से कौन-से दो अभ्यास करने हैं, यह इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताया गया है। तथापि आपके लिए सभी अभ्यास करना लाभप्रद होगा। इसके द्वारा आपको बच्चों के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा।

हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी अभ्यासों को करें। इससे आप वास्तविक जीवन में सैद्धांतिक संकल्पनाओं को व्यावहारिक रूप से लागू कर पाएँगे और मूल्यांकन के लिए भेजे जाने वाले प्रयोगात्मक अभ्यासों को बेहतर रूप से कर पाएँगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय कार्य और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या ज़रूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।

2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या ....
सत्रीय कार्य सं.	नाम ....
अध्ययन केंद्र	पता ....
	....
	....
	दिनांक ....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उसे सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।

4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. **इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।**

सत्रीय कार्य –01

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड : डी.ई.सी.ई – 1

असाइनमेंट कोड : डी.ई.सी.ई – 1/ TMA-1/2023

जनवरी सत्र के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2023

जुलाई सत्र के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2023

कुल अंक : 100

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दें। **60 अंक**

1. (क) विकास की दोनों दिषाओं–सिर से पैर (सेफलोकॉडल) और मध्य–से–बाहर (प्रोक्सिमोडिस्टल) को स्पष्ट करते हुए उनके बारे में चर्चा कीजिए।

   (ख) जन्म से लकर एक वर्ष तक आयु के बच्चों में स्थूल क्रियात्मक विकास का वर्णन करें।

   (प्रत्येक 300 शब्द : 4+4=8 अंक)

2. चर साल की आयु के बच्चों मे निम्नलिखित क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक गतिविधि का वर्णन करें।
   (क) पठन–पूर्व
   (ख) रचनात्मकता
   (ग) सूक्ष्म क्रियात्मक कौषल

   (प्रत्येक 300 शब्द : 3x3=9 अंक)

3. (क) 3–6 वर्ष की आयु के बच्चे के भाषायी कौषल का वर्णन करें।
   (ख) भाषा के विकास को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं ?

   (प्रत्येक 300 शब्द : 3+3=6 अंक)

4. बल देखभाल केंद्र की गतिविधियों मे माता–पिता को सम्मिलित करने के लिए, उन तक पहुंचने की किन्हीं दो तरीकों पर चर्चा करें।

   (प्रत्येक 500 शब्द : 5 अंक)

5. (क) पाठ्यचर्या की योजना बनाने में शामिल पांच चरणों की सूची बनाइए।
   (ख) दीर्घकालिक और अल्पकालिक लक्ष्य क्या होते हैं?

   (प्रत्येक 500 शब्द : 2+5=7 अंक)

6. बच्चों में आक्रामकता के किन्हीं तीन कारणों पर चर्चा करें? माता पिता बच्चों को समाजीकृत करने/आक्रामक व्यवहार से निपटने के लिए जिन तीन तरीको का इस्तेमाल कर सकते है, उनका वर्णन कीजिये।

   (500 शब्द : 5 अंक)

7. शालापूर्व (इसीसीई) केंद्र में जगह और खेल सामग्री का मूल्यांकन करते समय आप किन बिंदुओं को ध्यान में रखेंगे? अपने उत्तर का समर्थन करने के लिए एक चेकलिस्ट बनाएं।

(500 शब्द : 5 अंक)

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक के बारे में लगभग 200 शब्दों में लिखिए।
   (क) परोपकारिता और समानुभूति
   (ख) शालापूर्व केंद्रमें भीतरी स्थान का मूल्यांकन करते समय ध्यान में रखने योग्य बिंदुए
   (ग) बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए कोई एक विधि
   (घ) विकास की निर्णायक अवधियाँ
   (ड) नवजात षिषु की क्षमताएं

(प्रत्येक 300 शब्द : 3 x 5= 15 अंक)

<u>भाग ख</u>

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के अवलोकन से संबंधित कोई भी एक अभ्यास करना है। ए.सी.सी.-1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 4, 6 तथा 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्शदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं :

अभ्यास 4		**कुल अंक : 20**
अंकों का विभाजन :	बच्चों तथा माता-पिता का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	10 अंक
	अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	10 अंक
अभ्यास 6		**कुल अंक : 20**
अंको का विभाजन :	बच्चे का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	10 अंक
	अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	10 अंक
अभ्यास 7		**कुल अंक : 20**
अंकों का विभाजन :	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	5+5=10 अंक
	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	5+5=10 अंक

भाग ग

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए खेल क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी एक अभ्यास करना है। ए.सी.सी.-1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8 तथा 9 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्शदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें। अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं :

अभ्यास 5		**कुल अंक : 20**
अंकों का विभाजन :	शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों के रिकार्ड करना :	10 अंक
	खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना :	10 अंक
अभ्यास 8		**कुल अंक : 20**
अंकों का विभाजन :	दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना	5+5=10 अंक
	दो क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना :	5+5=10 अंक
अभ्यास 9		**कुल अंक : 20**
अंकों का विभाजन :	त्यौहार का वर्णन करना :	2 अंक
	कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देना :	6 अंक
	सप्ताह भर की क्रियाओं की अनुसूची बनाना :	6 अंक
	क्रियाओं का संक्षिप्त विवरण :	6 अंक